Title of the Seminar-: The Position and Relevance of the Schools of Mimansa Darshan in the light of Indian Knowledge System

भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में मीमांसा दर्शन के मतों की अवस्थिति एवं उनकी समीचीनता

(Dated- Dec. 19-20, 2025)

Organized by- PG Deptt. of Sanskrit, Univ. of Jammu.

You are requested to send your consent to take part in this National seminar and also send your abstract of research paper on or before Dec. 5, 2025 on E.mail psharma68374@gmail.com. you can choose the topic of your research paper as per the following suggested topics also:

1. भारतीय ज्ञान परम्परा में मीमांसा दर्शन का स्थान निरूपण ।
2. मीमांसा दर्शन के मुख्य आचार्य एवं उनकी कृतियों का संक्षिप्त परिचय।
3. अभिहितान्वयवाद की मान्यता एवं अनुयायी आचार्यों का संक्षिप्त परिचय।
4. अन्विताभिधानवाद की मान्यता एवं अनुयायी आचार्यों का संक्षिप्त परिचय।
5. मीमांसा दर्शन की प्रमाण मीमांसा एवं भारतीय ज्ञान परम्परा।
6. मीमांसा दर्शन की ज्ञान मीमांसा तथा भारतीय ज्ञान परम्परा।
7. मीमांसा दर्शन की तत्त्व मीमांसा में भारतीय ज्ञान परम्परा का अवधान निरूपण ।
8. मीमांसा दर्शन में प्राप्त कर्ममीमांसा की प्रासंगिकता।
9. मीमांसकों द्वारा नैयायिक प्रमाण मीमांसा का खण्डन ।
10. अर्थापत्ति प्रमाण– स्वरूप एवं विवेचन भारतीय ज्ञान परम्परा के अवलोक में ।
11. मीमांसा दर्शन के अनुसार प्रामाण्य– अप्रामाण्य विवेचन।
12. स्वतः प्रमाण्यवाद का स्वरूप एवं मीमांसा।
13. मीमांसा दर्शन की धर्ममीमांसा एवं उसकी समीचीनता।
14. मीमांसा दर्शन के अनुसार विधि का अनुशीलन एवं भारतीय ज्ञान परम्परा।
15. मीमांसा दर्शन के अनुसार कर्म सिद्धान्त का पर्यवेक्षण में भारतीय ज्ञान परम्परा का योगदान।
16. मीमांसा दर्शन के अनुसार यज्ञ एवं अपूर्व का विश्लेषण भारतीय ज्ञान परम्परा के अवलोक में।
17. मीमांसा दर्शन के अनुसार ईश्वर (देवता) विचार।
18. मीमांसा दर्शन के अनुसार मोक्ष का स्वरूप एवं साधन।
19. मीमांसा दर्शन के त्रिविध मतों (भाट्ट मत, गुरुमत एवं मिश्र मत) का विवरण।
20. मीमांसा दर्शन के अनुसार जीव एवं जगत का स्वरूप ।
21. कर्मानुष्ठान एवं उसके अंगों तथा त्रिविध प्रमाणों का विवरण।
22. मीमांसा दर्शन के अनुसार आचार विमर्श एवं उसकी सम सामयिकता।
23. मीमांसा दर्शन एवं व्याकरण शास्त्र का पौर्वापर्य सम्बन्ध निरूपण।

प्रो. राम बहादुर (शुक्ल)
अध्यक्ष– संस्कृत विभाग,
जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।